45 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव 1.35 लाख को मिलेगा रोजगार

कोरोना काल में भी नहीं थमी यूपी की रफ्तार, 6700 करोड़ की परियोजनाओं को भूमि आवंटित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। कोविड-19 महामारी के दौरान भी यूपी की रफ्तार नहीं थमी। इस दौरान सरकार ने 40 से अधिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। इससे 45,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इनमें से करीब 1.35 लाख रोजगार से जुड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन शुरू हो गया है।

यह जानकारी अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टंडन ने शुक्रवार को दी। वे लोक भवन में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने बताया कि इन निवेश प्रस्तावों में जापान, अमेरिका, इंग्लैंड, कनाडा, जर्मनी व दक्षिण कोरिया की कंपनियों के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। पिछले छह महीने में 6,700 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाओं के लिए 426 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। इससे 1,35,362 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। अन्य निवेश परियोजनाओं में करीब 10 देशों के निवेश प्रस्ताव भी शामिल हैं।

जेवर में एमएसएमई, इलेक्ट्रॉनिक्स, हस्तशिल्प व खिलौना पार्क : पेज 4

10 देशों की परियोजनाएं शामिल, क्रियान्वयन की कार्यवाही जारी

इन प्रमुख परियोजनाओं पर निवेश से जुड़ी कार्यवाही जारी

- हीरानंदानी ग्रुप : नोएडा में डाटा सेंटर की स्थापना पर 750 करोड़ का निवेश।
- एसोसिएटेड ब्रिटिश फूड पीएलसी (एबी मौरी) यूके : खमीर मैन्यूफैक्चरिंग में 750 करोड़ का निवेश।
- सूर्या ग्लोबल फ्लेक्सी फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड : पीओपीपीए बीओपीईटीए मेटालाइज्ड फिल्म्स प्रोडक्शन प्लांट में 953 करोड़ का निवेश।
- एकाग्रता इंक (कनाडा) : अनाज अवसंरचना उपकरणों में 746 करोड़ रुपये का निवेश।
- एडिसन मोटर्स (दक्षिण कोरिया) : इलेक्ट्रिक वाहनों में 750 करोड़ का निवेश।
- याजाकी (जापान) : वायरिंग हारनेस तथा कम्पोनेंट्स में 2,000 करोड़ का निवेश।

वस्त्रोद्योग में 8000 करोड़ के निवेश से 1.5 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ। प्रदेश के वस्त्रोद्योग सेक्टर ने इन्वेस्टर्स समिट के एमओयू से जुड़ी 55% से अधिक इकाइयों का क्रियान्वयन करने में सफलता हासिल की है। इनमें करीब 8000 करोड़ रुपये निवेश होगा और डेढ़ लाख लोगों को रोजगार मिल सकेगा। एमएसएमई, निर्यात, वस्त्र उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट में 66 वस्त्रोद्योग इकाइयों की स्थापना के लिए एमओयू हुआ था। इनमें से 39 इकाइयों का विभिन्न स्तर पर कार्य चल रहा है। इनमें से 11 ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इन पर 641 करोड़ निवेश हुआ है। 2835 लोगों को रोजगार मिला है। 27 एमओयू से जुड़े निवेशक निष्क्रिय हैं। इन्हें क्रियान्वयन से बाहर मान लिया गया है।

गाजियाबाद, नोएडा, कानपुर व मेरठ में 9 नई इकाइयों पर कार्य चल रहा है। इन पर करीब 193 करोड़ निवेश होगा और करीब 3400 लोगों को रोजगार मिलेगा। सभी इकाइयां मार्च 2021 से पहले कॉमर्शियल उत्पादन शुरू कर देंगी। ब्यूरो

>> वस्त्र उद्योग की 11 इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन भी जल्द : पेज 4